सिंचाई के अन्तर्गत कृषि योग्य भूमि

118. **श्री सुरेन्द्र झा सुमन** : क्या कृषि और सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस समय देश मे कितने एकड़ कृषि योग्य-भूमि उपलब्ध है ;

(ख) इस में से कितने एकड़ भूमि में सिंचाई होती है और सिंचाई के कौन कौन से साधन उपलब्ध हैं ;

(ग) शेष अभिचित भूमि में किस प्रकार सिंचाई व्यवस्था करने का विचार है और इस दिशा में क्या कदम उठाये जा रहे हैं ; और

(घ) देश में परती भूमि कितने एकड़ है और इसे उपजाऊ बनाने के लिए क्या उपाय किये जा रहे हैं ?

कृषि और सिंचाई मंत्री (श्री सुरजीत सिंह बरनाला) : (क) 1975-76 की भूमि उपयोग सांख्यिकी के अनुसार देश में उपलब्ध कृषियोग्य क्षेत्र का लगभग 185 मिलियन हैक्टेयर होने का अनुमान लगाया गया है ।

(ख) मार्च, 1979 के अन्त तक देश में बृहद, मध्यम तथा लघु सिंचाई स्कीमों से लगभग 55 मिलियन हेक्टेयर की सिंचाई क्षमता का सृजन किया गया है ।

(ग) सरकार की नीति सिंचाई विकास को उच्चतम प्राथमिकता देती रही है । देश म इस समय अन्तत: सिंचाई क्षमता 113.30 मिलियम हेक्टेयर मूल्यांकत की गई है । आयोजित विकास के आरम्भ होने पर 22.6 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र सिंचाई के अन्तर्गत था । पांचवी योजना (1977-78) के अन्त तक यह बढ़ कर लगभग 52.2 मिलियन हक्टेयर हो गया । पंचवर्षीय योजना मसौदे (1978-83) में 17 मिलियन हक्टेयर की की अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का सृजन परिकल्पित है । हमारा प्रयास अगले 15 से 20 वर्षों में पूर्ण क्षमता का विकास करना होगा ।

(घ) देश में कुल परती भूमि के लगभग 22 मिलियन हक्टेयर होने का अनुमान लगाया गया है जिस में चालू भूमि के अतिरिक्त 9.48 मिलियन हक्टेयर परती भूमि और 12.52 मिलियन हक्टेयर चालू परती भूमि शामिल है । बेकार भूमि के साथ-साथ चालू परती भूमि के अलावा परती भूमि को उत्पादक उपयोगों के लिए समझा जा रहा है ।

Delay in Declaration of Examination Results by Central Board of Secondary Education

119. SHRI K. T. KOSALRAM: Will the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the delay in the declaration of results in some States, particularly of 12th Standard Examination under 10 plus 2 conducted by the Central Board of Secondary Education, has deprived many students entrance in colleges; and

(b) if so, the reasons for the same and the steps being taken to declare such results in the State Capita's much in advance of the date of admission into Colleges in those States?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE (SHRIMATI RENUKA DEVI BARAKATAKI): (a) The Central Board of Secondary Education, New Delhi, declared its All-India Senior School Certificate Examination result on 5th June, 1979, as per normal schedule. Neither the Board nor the Government are aware of any case where the students have been deprived of admission to colleges on account of declaration of result on that date.

(b) Does not arise.

Repatriates from Sri Lanka

120. SHRI K. T. KOSALRAM: Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION be pleased to state:

(a) the steps being taken to rehabilitate the increasing number of repatriates coming from Sri Lanka under the Sirimao-Shastri Pact;

(b) whether there is any proposal to set up a separate Sri Lanka Repatriates Rehabilitation Financial Corporation so that the financial needs of these unfortunate people can be met without delay; and

(c) whether the Site and Services scheme would be extended to these Sri Lanka repatriates of Indian origin?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION (SHRI SIKANDAR